

प्रेषक,

रंजना,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रारम्भिक शिक्षा, उत्तराखण्ड,
ननूरखेडा, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक)

देहरादून: दिनांक: 18 अक्टूबर, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में प्रारम्भिक शिक्षा हेतु व्यवस्थित धनराशि में कतिपय योजनाओं में मानक मद 42-अन्य व्यय की धनराशि अवमुक्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-अर्थ-2/14668/5क (1)03/2016-17 दिनांक 01-10-2016 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान सैं0-11 के अन्तर्गत आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में **रु० 667 हजार (रुपये छः लाख सड़सठ हजार मात्र)** की धनराशि संलग्नक में उल्लिखित विवरण/लेखाशीर्षकानुसार आपके निवर्तन पर रखते हुए निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) वित्त विभाग के शासनादेश दिनांक 26-7-2016 में उल्लिखित प्राविधानुसार धनराशि रु० 667 हजार (रुपये छः लाख सड़सठ हजार मात्र) धनराशि दो चरणों में इस प्रतिबन्ध के साथ निर्गत की जायेगी कि नियमानुसार एवं वास्तविक व्यय के अनुसार ही द्वितीय किश्त को प्रथम किश्त के उपयोगिता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के उपरान्त ही जारी किया जायेगा। उक्त शर्तों का अनुपालन वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक की निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि के व्यय में सुनिश्चित किया जायेगा।
- (2) व्यय करने से पूर्व यथास्थिति अधिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों सहित सुसंगत वित्तीय नियमों तथा प्रचलित प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। पूँजीगत परिसम्पत्तियों के निर्माण हेतु पूँजीगत पक्ष के अन्तर्गत अवमुक्त धनराशि का उपभोग करने से पूर्व नियमानुसार आगणन की स्वीकृति सहित वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त करना सुनिश्चित किया जाएगा।
- (3) योजनाओं के विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहां आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी। स्वीकृति धनराशि के सापेक्ष, आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जाय।
- (4) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।

- (5) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (6) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के सम्बन्ध में व्ययाधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (7) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से अनुपालन किया जायेगा।
- (8) व्यय सम्बन्धी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।

02- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक /सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

04- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश सं० 847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26-07-2016 में वर्णित प्राविधान के अनुसार जारी किया जा रहा है।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय,

(रंजना)

अपर सचिव,

सं० 816/XXIV(1)/2016-14/2016, /तददिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

01. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवराय बिल्डिंग, देहरादून।
02. महालेखाकार(आडिट), महालेखाकार कार्यालय, वैभव पैलेस, सी-1/105 इन्द्रानगर, देहरादून।
03. समस्त वरिष्ठ मुख्य कोषाधिकारी/कोषाधिकारी (निदेशक के माध्यम से)
04. राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान उत्तराखण्ड, ननूरखेड़ा देहरादून।
05. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
06. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड (निदेशक के माध्यम से)
07. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, देहरादून।
08. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
09. राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर देहरादून।
10. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

18.10.16

(नन्दन सिंह बिष्ट)

अनु सचिव

धनराशि हजार रू० में

लेखा शीर्षक	वर्ष 2016-17 में मानक मद 42-अन्य व्यय में प्राविधानित धनराशि	लेखानुदान के माध्यम से पूर्व में अवमुक्त धनराशि	अवमुक्त हेतु वांछित धनराशि	अभ्युक्ति
अनुदान संख्या 11 आयोजनागत 2202-सामान्य शिक्षा 01- प्रारम्भिक शिक्षा 101-राजकीय 03- निदेशालय अधिष्ठान	300 हजार	100 हजार	200 हजार	निदेशालय स्तर पर विधि अनुभाग के व्ययों, मा० उच्चतम न्यायालय के वकीलों के फीस के अतिरिक्त होने वाले अन्य विविध व्यय, मा० न्यायालय परिसर में कराये गये फोटो स्टेट, नकलें प्राप्त करने एवं अन्य खर्चों तथा कार्यालय के विभिन्न प्रकार के व्ययों के भुगतान, गवर्नर टीचर अवार्ड राज्य शिक्षक पुरस्कार व गणतन्त्र दिवस की झांकी व कार्यालय के अन्य व्ययों के प्रयोजनार्थ।
2202-सामान्य शिक्षा 01- प्रारम्भिक शिक्षा 101-राजकीय प्राथमिक विद्यालय 04-बेसिक शिक्षा परिषद का राजकीयकरण	450 हजार	150 हजार	300 हजार	प्राथमिक विद्यालयों के विकासखण्ड स्तर पर अन्य व्ययों के प्रयोजनार्थ
2202-सामान्य शिक्षा 01- प्रारम्भिक शिक्षा 104- निरीक्षण 05-विकास खण्ड स्तर पर उप शिक्षा अधिकारी कार्यालयों की स्थापना।	250 हजार	83 हजार	167 हजार	95 उप शिक्षा अधिकारी कार्यालयों न्यायालयी व अन्य व्यय के प्रयोजनार्थ
योग	1000 हजार	333 हजार	667 हजार	

8/10.10.16
(नन्दन सिंह बिष्ट)
अनु सचिव